भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2040

उत्तर देने की तारीख 31/07/2025

सांस्कृतिक नृत्यों का संरक्षण और बढ़ावा

2040. श्री डग्गुमल्ला प्रसादा राव:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश भर में जनजातीय सांस्कृतिक नृत्यों के संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए कोई योजनाएँ हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने आंध्र प्रदेश में कोया जनजाति के कोम्मू जनजातीय नृत्य की घटती लोकप्रियता और लगभग विलुप्त होने पर ध्यान दिया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने कोम्मू नृत्य के संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए कोई विशिष्ट योजनाएँ बनाई हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या इन पहलों के लिए कोई धनराशि जारी की गई है या निर्धारित की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार जनजातीय सांस्कृतिक नृत्यों, जैसे कोया का कोम्मू नृत्य को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विचार कर रही है ताकि भावी पीढ़ियों तक उनका प्रसारण सुनिश्चित किया जा सके; यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या ऐसी पाठ्यचर्या पहलों के लिए कोई धनराशि जारी की गई है या निर्धारित की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ङ): जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्र प्रायोजित योजना 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता' के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक कार्य योजना के आधार पर जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति के अनुमोदन के अधीन जनजातीय अनुसंधान संस्थान, आंध्र प्रदेश सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अंतर्गत, अन्य बातों के साथ-साथ अनुसंधान एवं प्रलेखन गतिविधियों और प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, जनजातीय त्योहारों के आयोजन, अनूठी सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यात्राओं और जनजातियों द्वारा

आदान-प्रदान यात्राओं के आयोजन से संबंधित प्रस्ताव तैयार किए जाते हैं ताकि नृत्य रूपों, भाषाओं और रीति रिवाजों (अनुष्ठानों) सहित उनकी सांस्कृतिक प्रथाओं को संरक्षित और प्रसारित किया जा सके। टीआरआई मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले संस्थान हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश राज्य में जनजातियों के सांस्कृतिक नृत्यों के संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं

- (5) डिजिटल संग्रह के लिए ढिमसा, खोंड (पीवीटीजी) द्वारा किये जाने वाले मयूरा, सवारा (पीवीटीजी) द्वारा किये जाने वाले थोंगसेंग, कोया द्वारा किये किया जाने वाले कोम्मु कोया और चेंचू (पीवीटीजी) द्वारा किये जाने वाले चेंचाटा जनजातीय नृत्य रूपों पर वीडियो प्रलेखन पूरा किया गया है।
- जनजातीय कार्य मंत्रालय की वेबसाइट, टीआरआई यूट्यूब चैनल आदि पर 5 वीडियो अपलोड किए गए।

  https://youtu.be/RB4pwE6lxB4

  https://youtu.be/oIOt5y83d2A

इसके अलावा, आंध्र प्रदेश सरकार ने आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक नृत्य शैलियों को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। आईटीडीए स्तर पर, कोया जनजाति के कोम्मू जनजातीय नृत्य के सांस्कृतिक कलाकारों को सभी महत्वपूर्ण अवसरों, जनजातीय त्योहारों, मेलों, आधिकारिक समारोहों और उद्घाटन समारोहों आदि में जीवंत सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन हेतु कोम्मू कोया नृत्य प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(च) और (छ): भावी पीढ़ियों तक उनका प्रसारण सुनिश्चित करने के लिए कोया के कोम्मू नृत्य जैसे जनजातीय सांस्कृतिक नृत्यों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का कोई प्रस्ताव मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

*****